प्रकृति ने हमारे जीवन को बहुत ही सुंदर और खुशहाल बनाने के लिए हमें हवा पानी मिट्टी और पेड़ पौधों जैसे अनमोल उपहार दिए हैं। इन प्राकृतिक संसाधनों के बिना पृथ्वी पर किसी भी जीव जंतु या मनुष्य का जीवित रहना बिल्कुल असंभव है। लेकिन आज के समय में मनुष्य अपनी सुख सुविधाओं को बढ़ाने के लिए लगातार प्रकृति के साथ खिलवाड़ कर रहा है जिसके कारण पर्यावरण प्रदूषण आज पूरी दुनिया की सबसे बड़ी और भयंकर समस्या बन गया है। तेजी से बढ़ती हुई आबादी और नए कारखानों के खुलने से हमारे चारों तरफ का वातावरण बहुत ही तेजी से प्रदूषित हो रहा है। कारखानों और वाहनों से निकलने वाले जहरीले धुएं ने हमारी हवा को इतना खराब कर दिया है कि आज लोगों को सांस लेने में भी बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही है। बड़े शहरों में तो प्रदूषण का स्तर इतना ज्यादा बढ़ गया है कि वहां आसमान में काले धुएं की चादर छाई रहती है और लोग दमा और खांसी जैसी गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। वायु प्रदूषण के साथ साथ जल प्रदूषण भी हमारे लिए एक बहुत बड़ा खतरा बनता जा रहा है। कारखानों से निकलने वाला गंदा और जहरीला रसायन सीधे हमारी नदियों और झीलों में बहा दिया जाता है जिससे वहां का पानी पूरी तरह से जहरीला हो जाता है। इसी गंदे पानी को पीने से हर साल हजारों लोग हैजा और पीलिया जैसी जानलेवा बीमारियों का शिकार होकर अपनी जान गंवा देते हैं। इसके अलावा खेतों में पैदावार बढ़ाने के लिए बहुत अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे हमारी उपजाऊ मिट्टी भी बंजर और खराब होती जा रही है। प्लास्टिक का लगातार बढ़ता उपयोग भी हमारी धरती माता के लिए एक बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है क्योंकि प्लास्टिक कभी भी गलता नहीं है और यह सैकड़ों सालों तक मिट्टी में रहकर उसे प्रदूषित करता रहता है। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई के कारण आज ग्लोबल वार्मिंग जैसी भयानक समस्या पैदा हो गई है जिससे हमारी धरती का तापमान लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण पहाड़ों की बर्फ बहुत तेजी से पिघल रही है जिससे भविष्य में समुद्र का जलस्तर बढ़ने और भयंकर बाढ़ आने का बहुत बड़ा खतरा मंडरा रहा है। अगर समय रहते हमने इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया तो वह दिन दूर नहीं जब यह सुंदर धरती रहने के लायक बिल्कुल नहीं बचेगी। इसलिए अब यह हम सभी की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हम अपने पर्यावरण को बचाने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाएं। हमें अपनी गाड़ियों का इस्तेमाल कम करना चाहिए और छोटी दूरी तय करने के लिए साइकिल चलाने या पैदल चलने की अच्छी आदत डालनी चाहिए। पॉलिथीन और प्लास्टिक की थैलियों का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद करके हमें हमेशा कपड़े या कागज के थैलों का ही उपयोग करना चाहिए। कूड़े को हमेशा अलग अलग करके सही जगह पर फेंकना चाहिए ताकि उसका दोबारा से इस्तेमाल किया जा सके और गंदगी न फैले। हमें अपने जीवन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए और केवल उन्हें लगाना ही नहीं बल्कि उनके बड़े होने तक उनकी अच्छे से देखभाल भी करनी चाहिए। जल ही जीवन है इसलिए पानी की एक एक बूंद को बचाना हमारा सबसे पहला कर्तव्य होना चाहिए और बारिश के पानी को भी इकट्ठा करने का सही इंतजाम करना चाहिए।